क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, डडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, डडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 128, सोमवार, 03 जून, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरद पवार ने मोदी लहर को रोकने की ढूंढी तरकीब, महाराष्ट्र चुनाव में आजमाएंगे

मुंबई। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद बाद ऐसा लगता है महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार का करिश्मा कम होता हुआ दिख रहा है। 2019 लोकसभा चुनाव में एनसीपी अध्यक्ष को 4 सीटें मिली हैं। लोकसभा में हुई करारी हार के बाद मुंबई में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी के नेताओं के साथ बैठक हुई। ऐसा लग रहा था कि इस बैठक में कुछ नया होगा, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। सूत्रों कि मानें तो इस बैठक में पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठने की किसी ने हिम्मत नहीं दिखाई और नही शरद पवार की तरफ से कोई नेतृत्व बदलाव के संकेत मिले। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपना इस्तीफा दिया। उनके साथ ही राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन एनसीपी की बैठक में ऐसा कुछ नहीं हुआ। शरद पवार ने अपनी इस्तीफे की पेशकश नहीं की। पार्टी नेतृत्व की बागडोर शरद पवार परिवार के अलावा किसी और के हाथ में जाए इसे लेकर कुछ नहीं कहा। सब कुछ पहले से ही सेट और तय लग रहा था। एनसीपी सांसद माजीद मेमन ने कहा, 'शरद पवार हमारे पार्टी के मुख्य मार्गदर्शक हैं, आज की मीटिंग में नेतृत्व परिवर्तन की मांग नहीं उठी और पार्टी अध्यक्ष की तरफ से इस्तीफे की कोई पेशकश नहीं हुई। आगामी विधानसभा में जीते के लिए कार्यकर्ताओं को मेहनत से काम करने के लिए कहा है। एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक के मुताबिक ये हार एक कलेक्टिव रिसपांसिबिलीटी है। इस हार का ठिकरा किसी एक पर फोड़ना सही नहीं। शरद पवार देश के प्रमुख नेताओं में से एक है, उनके नेतृत्व में हम और आगे बढ़ेंगे।इलेक्शन के पहले ऐसा माहौल था कि शरद पवार महाराष्ट्र के माड़ा सीट से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उस वक्त माढ़ा के सांसद विजय सिंह मोहिते पाटील चाहते थे कि उनके बेटे रणजित सिंह पाटिल चुनाव लड़े, लेकिन शरद पवार को यह मंजूर नहीं था।

तेलंगाना के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने दी शुभकामना

मोदी ने ट्वीट किया, ''तेलंगाना के स्थापना दिवस पर मैं इस सुन्दर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं

तेलंगाना अपने परिश्रमी लोगों के लिए प्रसिद्ध है, जो हमारे देश के विकास में महती योगदान दे रहे हैं। मैं तेलंगाना की प्रगति की कामना करता हूं।'' उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों की भी प्रशंसा करते हुए इस राज्य की प्रगति की भी कामना की।

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। दरअसल लंबे आंदोलन के बाद 2014 में आंध्र प्रदेश का पुनर्गठन कर उसमें से दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का गठन किया गया था। राष्ट्रपति ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को एक मार्च , 2014 को मंजूरी दी थी। तेलंगाना का गठन दो जून, 2014 को हुआ। मोदी ने ट्वीट किया, ''तेलंगाना के स्थापना दिवस पर मैं इस सुन्दर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। तेलंगाना अपने परिश्रमी लोगों के लिए प्रसिद्ध है, जो हमारे देश के विकास में महती योगदान दे रहे हैं। मैं तेलंगाना की प्रगति की कामना करता हूं'' उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों की भी प्रशंसा करते हुए इस राज्य की प्रगति की भी कामना की। मोदी ने कहा कि विज्ञान से लेकर खेल तक, शिक्षा से लेकर उद्यम तक, आंध्र प्रदेश का महती योगदान है। उन्होंने कहा, ''आगामी वर्षों में राज्य खूब तरक्की करे।''

गृह मंत्री अमित शाह ने नेशनल पुलिस मेमोरियल पहुंचकर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली।

नरेंद्र मोदी सरकार पार्ट 2 में पीएम मोदी समेत सभी मंत्री पद संभालते ही एक्टिव मोड में हैं। गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद अमित शाह ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पहुंचकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय का मुआयना किया। बता दें कि इससे पहले राक्षमंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय शौर्य स्मारक गए थे। जहां उन्होंने राष्ट्र की सेवा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर चुके हैं। गृह मंत्रालय का पद संभालने के बाद से ही अमित शाह सुपर एक्टिव मोड में हैं विभिन्न राज्यों के गवर्नर, मंत्रीगण से लेकर सीएम और भाजपा नेताओं के साथ उनकी बैठकों का दौर कल से ही जारी है। जम्मू-कश्मीर के गवर्नर सत्यपाल मलिक से भी शाह ने बैठक कर राज्य में सुरक्षा और आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। दिल्ली के चाणक्यपुरी में 6.12 एकड़ जमीन पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के शहीद हुए पुलिसवालों की याद में एक मेमोरियल बना है। इसे नेशनल पुलिस मेमोरियल नाम दिया गया है। नेशनल पुलिस मेमोरियल 30 फीट ऊंचा ग्रेनाइट का एक खंभा है, 30 फीट ऊंचा यह एकल पाषाण-स्तंभ देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल और केंद्रीय पुलिस संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा यहां पर एक म्यूजियम भी बनाया गया है। गौरतलब है कि आजादी के बाद से अभी तक 34,844 पुलिस जवान की शहादत को सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर 2018 को राजधानी दिल्ली में नेशनल पुलिस मेमोरियल का उद्घाटन किया था। इस खंभे पर अब तक शहीद हुए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के कुल 34,844 जवानों के नाम लिखे हुए हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने हटाएं कई राज्यों के प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में खराब परफार्मेंस देने वालों पर बसपा सुप्रीमो मायावती की गाज गिरी है। खराब प्रदर्शन पर उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, राजस्थान, गुजरात व उड़ीसा के राज्य प्रभारियों को हटा दिया गया है। इसके साथ ही दिल्ली व मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्षों को भी हटाया गया है। दिल्ली में सुरेंद्र सिंह की जगह लक्ष्मण सिंह और मध्य प्रदेश में डीपी चौधरी की जगह रमाकांत पुत्तल को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। मायावती इन दिनों दिल्ली में हैं। उन्होंने शनिवार को दिल्ली में ही राज्य प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक बुलाई थी। इसमें राज्यवार लोकसभा चुनाव की स्थितियों की चर्चा की। लोकसभा चुनाव में बसपा को अनुमान से बहुत कम सीटें मिली हैं। बताया जा रहा है कि इसके चलते मायावती काफी नाराज हैं। उन्होंने समीक्षा के दौरान खराब परफार्मेंस पर मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष छद्दूराम व दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह को हटा दिया है। उत्तर प्रदेश में पार्टी के अध्यक्ष आरएस कुशवाहा को उत्तराखंड राज्य प्रभारी के पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह पर एमएल तोमर को नया प्रभारी बनाया गया है। बसपा सुप्रीमो ने इसके साथ ही उड़ीसा-गुजरात के प्रभारी पद से छद्दूराम को हटाकर बिहार-झारखंड का प्रभारी बनाया है। मुनकाद अली को राजस्थान प्रभारी पद से हटा दिया गया है। पूर्व सांसद डा. बलिराम को बिहार राज्य के द्वितीय प्रभारी पद से हटाया गया। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह को झारखंड राज्य प्रभारी पद से हटा दिया गया है। रामअचल राजभर को गुजरात के साथ महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया गया है। उनसे बिहार राज्य का प्रभार वापस ले लिया गया है।

ममता बनर्जी कहीं हिरण्य कश्यप के खानदान की तो नहीं: साक्षी महाराज

टिप्पणी करते हुए कहा कि बंगाल का नाम आते ही त्रेता युग की याद आती है। जब राक्षस राज हिरण्य कश्यप ने जयश्री राम बोलने पर अपने बेटे को जेल में डाल कर यातनाएं दी थीं। बंगाल में ममता भी यही कर रही हैं। जयश्री राम बोलने पर जेल में डाल रही हैं और यातनाएं दे रही हैं। साक्षी महाराज ने सावाल उठाते हुए पूछा कि ममता कहीं हिरण्य कश्यप के खानदान की तो नहीं हैं? साक्षी महाराज ने कहा कि ममता का शासन अलगावावाद से कम नहीं है। इससे बंगाली आहत हैं और इसका खामियाजा ममता को भुगतान पड़ेगा. विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनेगी। गौरतलब है कि बीते दिनों एक वीडियों सामने आया था जिसमें ममता बनर्जी के काफिले के आसपास कुछ लोग जय श्रीराम के नारे लगाते दिख रहे थे। इस वीडियो में नारेबाजी के बाद ममता बनर्जी लोगों पर चिल्लाते हुए दिख रही हैं और वह लोगों को बाहरी और भाजपा के बदमाश बताते हुए नजर आ रही हैं। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया गया था। जिसके बाद पश्चिम बंगाल से भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह ने कहा था कि वो ममता बनर्जी के आवास पर 10 लाख पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय किया है जिन पर जय श्रीराम लिखा होगा।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी बंगाल को लेकर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच का बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा। पहले तो आम चुनाव में अपने प्रभाव का अहसास कराने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जय श्री राम वाले मामले पर ममता बनर्जी के लिए दस लाख जय श्री राम वाले पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय किया था और अब अपने बयानों से पूरे चुनाव सुर्खियों में रहने वाले भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने भी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लेकर विवादित बयान दे दिया है। साक्षी महाराज ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हिरण्य कश्यप की खानदान का बताया है। हरिद्वार में साक्षी महाराज ने पत्राकरों से बात करते हुए जयश्री राम वाले प्रकरण पर

केजरीवाल सरकार की महिलाओं को मेट्रो में मुफ्त सफर कराने की तैयारी, जानें कितना आएगा खर्च

नई दिल्ल।

दिल्ली सरकार जल्द ही दिल्ली मेट्रो में महिलाओं को मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दे सकती है। इसके लिए सरकार की ओर से दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन से इस योजना को लागू करने के तकनीकी पहलुओं पर कार्य करने को कहा गया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन से पूछा है कि इस योजना को कैसे लागू किया जा सकता है? इसके लिए मुफ्त पास की व्यवस्था होगी या कोई अन्य विकल्प होगा? अनुमान है कि योजना को दिल्ली मेट्रो और डीटीसी की बसों में लागू करने पर सरकार पर प्रति वर्ष करीब 1200 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

दिल्ली सरकार करेगी भुगतान: दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मेट्रो के अधिकारियों से कहा है कि यह योजना हर हाल में हमें लागू करनी है। मेट्रो में महिलाओं की मुफ्त यात्रा पर आने वाले खर्च को दिल्ली सरकार उठाएगी। इसके लिए वह डीएमआरसी को भुगतान करेगी। बसों व मेट्रो में कुल यात्रियों में 33 फीसद महिलाएं होती हैं। इस हिसाब से जो अनुमान लगाया गया है उसके अनुसार, प्रति वर्ष करीब 200 करोड़ रुपये का खर्च बसों को लेकर सरकार पर आएगा। मेट्रो में महिलाओं को मुफ्त यात्रा पर करीब एक हजार करोड़ का खर्च प्रति वर्ष आएगा। हालांकि, यह मात्रा एक अनुमान है। मेट्रो के अधिकारियों का कहना है कि बसों की अपेक्षा मेट्रो में महिलाएं अधिक यात्रा करती हैं। यदि योजना लागू होती है तो यह दिल्ली की अपनी तरह की अलग योजना होगी। दिल्ली सरकार की मंशा इस योजना को बसों और मेट्रो में एक साथ लागू करने की है। डीटीसी व क्लस्टर स्कीम की बसों में इसे लागू करने में सरकार के सामने कोई अड़चन नहीं है, मगर मेट्रो में सुरक्षा की दृष्टि से इसे लागू कर पाना थोड़ा टेढ़ा काम है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने शुक्रवार को मेट्रो के अधिकारियों को बुलाकर इस योजना को लेकर चर्चा की। कोई तकनीकी अड़चन नहीं आई तो छह माह में योजना लागू हो जाएगी। दिल्ली सरकार ने इसके लिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) से जल्द प्रस्ताव लाने को कहा है।

मैक्सिको के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजी गईं पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल

पुणे। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को शनिवार को मैक्सिको सरकार का विदेशियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया। भारत में मैक्सिको की राजदूत मेल्बा परिया ने पाटिल को एमसीसीआइए भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में 'ओर्डन मैक्सिकाना डेल अगुलिया एज्टेका (अज्टेक ईगल सम्मान) सम्मान प्रदान किया। पाटिल 2007-12 के बीच देश की राष्ट्रपति थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत और मैक्सिको के मध्य पारस्परिक समझौते पर उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के समय हस्ताक्षर हुये थे और तब दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया था।

सुषमा स्वराज के पदचिन्हों का अनुसरण कर गौरवान्वित हूं: एस जयशंकर

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी पहली आधिकारिक ट्विटर पोस्ट में शनिवार को कहा कि वह अपनी पूर्ववर्ती सुषमा स्वराज के 'पदचिन्हों का अनुसरण करने के कारण गौरवान्वित हैं।' पूर्व विदेश सचिव जयशंकर (64) ने कहा कि वह इस नयी जिम्मेदारी को प्राप्त कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''मेरा पहला ट्वीट। शुभकामनाओं के लिए सभी को धन्यवाद। यह जिम्मेदारी दिये जाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सुषमा स्वराज जी के पदचिन्हों का अनुसरण कर गौरवान्वित हूं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन शीर्ष पूर्व राजनयिक को विदेश मंत्रालय का प्रभार सौंप कर सभी को हैरत में डाल दिया था। उन्हें यह जिम्मेदारी सेवानिवृत्ति के करीब 16 माह बाद सौंपी गयी है। जयशंकर जनवरी 2015 से जनवरी 2018 तक विदेश सचिव थे। पिछली सरकार में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज एवं जयशंकर को भारत की विदेश नीति में जीवंतता लाने का श्रेय दिया जाता है। जयशंकर ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''हम विदेश मंत्रालय भारत की टीम 24 घंटे आपकी सेवा में निरत हैं। मैं अपने सहयोगी विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरनजी के साथ प्रयासों की अगुवाई करने से प्रसन्न हूं।'' विदेश मंत्री बनने पर जयशंकर को फांस, इंडोनेशिया एवं लातीविया सहित विभिन्न देशों के विदेश मंत्रियों की शुभकामनाएं मिली हैं। जयशंकर ने इन सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

चुनाव के बाद कमलनाथ सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 15 डीएम का तबादला

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य के 15 जिलों के जिलाधिकारी (डीएम) हटाए जाने के साथ 34 भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों (आईएएस) को बदला गया है। इसी तरह 15 पुलिस अधीक्षकों (एसपी) सहित 37 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बदले गए हैं। आदेश के अनुसार, राज्य सरकार ने 15 जिलाधिकारियों को हटाया गया है। नए आदेश के मुताबिक, अभय कुमार वर्मा को आगर-मालवा, विशेष गढ़पाले को सतना, सुरभि गुप्ता को अलीराजपुर, सूफिया फारुखी को रायसेन, शशिभूषण सिंह को कटनी, तरुण राठी को दमोह, कर्मवीर शर्मा को पन्ना, अजय गंगवार को नीमच, तंवी सुंद्रियाल को खंडवा, मनोज पुष्प को मंदसौर, वल्की कार्तिकेयन को डिंडौरी, वीरेंद्र सिंह रावत को शाजापुर, अक्षय कुमार सिंह को निवाड़ी, अजय गुप्ता को सीहोर, श्रीकांत बनोठ को धार का जिलाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह भोपाल के जिलाधिकारी सुदाम खाडे को हटा दिया गया है, मगर उनके स्थान पर अभी पदस्थापना नहीं हुई है। गुलशन बामरा को सागर और रेनू तिवारी को चंबल संभाग का आयुक्त बनाया गया है। राज्य सरकार ने 15 पुलिस अधीक्षकों को भी हटाया है। अनिल कुमार सिंह को शहडोल, ललित कुमार शाक्यवार को कटनी, अमित सिंह को जबलपुर, सविता सुहाने को आगर-मालवा, डालूराम तेनीवार को बड़वानी, आदित्य प्रताप सिंह को धार, शिवदयाल को खंडवा, कुमार प्रतीक को सिवनी, शैलेंद्र चौहान को उत्तर भोपाल, हितेश चौधरी को मंदसौर, अभिजीत कुमार रंजन को सिंगरौली, पंकज श्रीवास्तव को शाजापुर, राजेश सिंह को शिवपुरी, आर.एल. बेलवंशी को सीधी, और किरण लता केरकेटटा को अनूपपुर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। प्रशासनिक बदलाव के चलते भोपाल परिक्षेत्र का पुलिस महानिरीक्षक योगेश देशमुख को बनाया गया है।

जब दांत और नाखून के निशान ने खोला दोहरे हत्याकांड का राज,

नई दिल्ली। राजधानी के पटेल नगर इलाके में घर के अंदर हुई मां बेटे की हत्या का राज पुलिस ने खोल दिया है। हत्या छेड़छाड़ का विरोध करने को लेकर हुई थी। कातिल महिला का नाबालिग चेचरा देवर है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। उसकी उम्र महज 15 साल है। मौके से बरामद आरोपी के लॉकेट ने पुलिस को उसतक पहुंचाया। रही सही कसर उसके पैर पर महिला द्वारा संघर्ष के दौरान दांत से काटने के निशान, गले और मुंह पर नाखून से नोचने के निशान ने ने पूरा कर दिया और इन नोंच-खरोंच को लेकर पुलिस ने आखिरकार हत्या की गुत्थी सुलझा ली। आरोपी ने एक और भी गलती की थी कि उसने घटना वाले दिन महिला के मोबाइल से सेल्फी ली थी। इस कारण शक उसपर गहराया और पुलिस आखिरकार उसतक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिला के साथ वारदात के वक्त जबरदस्ती कर रहा था, जिसका महिला ने विरोध कर दिया था। इस बात से नाराज होकर उसने उसे मौत के घाट उतार दिया था। वहीं महिला के मासूम बेटे को उसने इसलिए मार डाला कि कहीं वह अपने पिता के सामने इस घटना का खुलासा न कर दे। बहरहाल पुलिस ने उसके पास से महिला का मोबाइल फोन, सिलबट्टा, चाकू, साबून और लूंगी बरामद कर लिया है।

चुनाव आयोग को EVM-वीवीपैट के बारे में संदेह दूर करना चाहिए: पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

हाल के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने आरोप लगाया था कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट (वोटर वेरिफाइड पेपर ट्रेल मशीन) से छेड़छाड़ की जा रही है

बेंगलुरू।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने शनिवार को कहा कि ईवीएम-वीवीपैट प्रणाली में छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है लेकिन चुनाव आयोग को विपक्ष और लोगों को समझाकर उसके बारे में संदेह को दूर चाहिए। हाल के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने आरोप लगाया था कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट (वोटर वेरिफाइड पेपर ट्रेल मशीन) से छेड़छाड़ की जा रही है। चुनाव आयोग ने आरोपों को खारिज कर दिया था। आरोपों के बारे में टिप्पणी पूछे जाने पर कुरैशी ने कहा कि ईवीएम या वीवीपैट प्रणाली में छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है। मशीन अलग आंकड़े नहीं दिखा सकती। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बार आप बटन दबाएंगे, उसमें एक ही आंकड़ा होगा। मैं आरोप समझ भी नहीं पा रहा। यद्यपि चुनाव आयोग को विपक्ष और लोगों को यह समझाना चाहिए कि प्रणाली पुख्ता है। हमें लोगों को साथ लेना होगा। उन्होंने यहां दिल्ली स्थित डिजिटल मीडिया कंपनी डाटालीड के वेबसाइट शुरू होने के मौके पर पीटीआई से कहा कि लोगों का विश्वास बरकरार रखना होगा और उसे जीतना होगा। कुरैशी ने कहा कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती क्योंकि कई जांचें होती हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई भी यह साबित नहीं कर पाया है कि इससे छेड़छाड़ हो सकती है और वीवीपैट शुरू होने के बाद छेड़छाड़ की कोई भी आशंका पूरी तरह से समाप्त हो जानी चाहिए। मतपत्र प्रणाली की ओर वापस लौटने की विपक्ष की मांग पर कुरैशी ने कहा कि ईवीएम समाप्त करने की बजाय, इन मशीनों में सुधार की संभावना तलाशी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतपत्र की ओर वापस लौटने का कोई सवाल नहीं है। हम वीवीपैट और ईवीएम प्रणाली में सुधार करते रहे हैं। यदि और सुधार की जरुरत होगी, उसे देखा जाना चाहिए। 23 मई को मतगणना से दो दिन पहले ईवीएम में कथित छेड़छाड़ को लेकर एक राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले महीने 21 राजनीतिक दलों की ओर से दायर उस अर्जी को खारिज कर दिया था। उक्त अर्जी में उससे आठ अप्रैल के उस आदेश की समीक्षा का अनुरोध किया गया था जिसमें चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि प्रति विधानसभा क्षेत्र में पांच पोलिंग बूथ के ईवीएम के वोटों का मिलान वीवीपैट पर्चियों से किया जाए।

संपादकीय

लड़ाई लड़ने में सक्षम

सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुना जाना और उनकी ओर से राहुल गांधी के चुनावी संघर्ष की तारीफ किए जाने से यही संकेत मिल रहा है कि पार्टी में सब कुछ पहले की ही तरह होगा। इसकी पुष्टि राहुल गांधी की ओर से दिए गए उस संबोधन से भी होती है जिसमें उन्होंने अपने सांसदों से कहा कि भले ही हमारी संख्या 52 हो, लेकिन इसी संख्याबल से हम भाजपा से इंच-इंच की लड़ाई लड़ने में सक्षम हैं। राहुल गांधी जिस तरह भाजपा से इंच-इंच की लड़ाई की जरूरत महसूस कर रहे हैं उससे तो यही लगता है कि वह जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। शायद इसीलिए इस तरह के आकलन पेश किए जा रहे हैं कि अमेठी में उनकी पराजय के लिए सपा-बसपा दोषी हैं। इसके पहले मीडिया और चुनाव आयोग पर भी इसी तरह के दोषारोपण किए जा चुके हैं। क्या कांग्रेस अध्यक्ष यह कहना चाह रहे हैं कि पार्टी की पराजय में उनकी रीति-नीति का कोई दोष नहीं? यह अजीब है कि वह ऐसी ही प्रतीति करा रहे हैं। अगर सोच यह है कि कांग्रेस अपनी कमजोरियों के कारण नहीं हारी तो फिर इसका मतलब है कि पराजय के कारणों पर आत्ममंथन के नाम पर खानापूरी हो रही है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के हर कार्यकर्ता को यह याद रखना चाहिए कि हमारी लड़ाई देश के प्रत्येक व्यक्ति और संविधान के लिए है। क्या वह संविधान को खतरे में देख रहे हैं? क्या कांग्रेस के पराजित होने का यह मतलब निकाला जाना चाहिए कि संविधान के लिए खतरा पैदा हो गया है? अच्छा होता कि राहुल गांधी और साथ ही कांग्रेस के अन्य नेता यह महसूस करते कि हद से ज्यादा नकारात्मक चुनावी अभियान ने ही पार्टी को नुकसान पहुंचाया। मुश्किल यह है कि राहुल गांधी देश के मौजूदा हालात को ब्रिटिशकालीन भारत जैसा बताते हुए यहां तक कह रहे हैं कि तब कोई भी संस्था कांग्रेस का समर्थन नहीं कर रही थी और फिर भी वह जीती। राहुल गांधी ने यह कहते हुए जिस तरह अपने सांसदों का उत्साहवर्धन करने की कोशिश की कि इस बार आपको और आक्रामकता दिखाने एवं और जोर से बोलने के लिए तैयार रहना चाहिए वह नकारात्मक राजनीति का ही प्रदर्शन है। अच्छा हो कि कोई उन्हें बताए कि संसद में अनावश्यक उग्रता का प्रदर्शन करना ही राजनीति नहीं है और ऐसा करके संसद की कार्यवाही को तो ठप किया जा सकता है, लेकिन लोगों के भरोसे को हासिल नहीं किया जा सकता। यह कोई शुभ संकेत नहीं कि जो राहुल गांधी चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को तहस-नहस करने के लिए तैयार दिख रहे थे वह अब यह चुनौती दे रहे हैं कि उनकी आक्रामकता से भाजपा को बच निकलने का कोई मौका नहीं मिलने वाला। क्या उन्होंने संसद को लड़ाई का अखाड़ा समझ लिया है? अगर नहीं तो फिर बेहतर होगा कि वह अपनी भाषा और अपने तेवरों पर गौर करें। उन्हें यह भी समझ आना चाहिए कि कांग्रेस के रूप में देश एक सशक्त विपक्ष की अपेक्षा कर रहा है, न कि झगड़ालू दल की।

ट्वीट

लहर

मोदी-विरोध आज भारत-विरोध बन चुका है, और आंखें मूंद लेने जैसी बात है। पत्रकार मोदी लहर का अंदाजा लगाने में चूक गए क्योंकि अपनी ही संस्कृति के प्रति अविवेकी घृणा पाले बैठे थे। अभी और लहर आनी हैं।

डा. डेविड फ्रॉले, पश्चिमी विद्वान

मोदी की दूरदर्शी कवायद

शशि शेखर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मटके पर जतन से ओढ़ाई हुई चादर जब गुरुवार की शाम उठाई, तो सटोरियों से लेकर सियासी तमाशबीनों में से कुछ अचरज में डूब गए, तो कुछ पूर्वानुमानों की गोटी को सटीक बैठता देख चहचहाने लगे। भारतीयों का यह पुराना शगल है कि चाहे चुनाव हो, या मंत्रिपरिषद का गठन, हम तर्क, वितर्क और कुतर्क के बहाने ढूंढ़ ही लेते हैं। मोदी-1 और मोदी-2 में सबसे बड़ा अंतर तो यह है कि इससे दो गंभीर चेहरे बाहर हो गए हैं। बरसों तक नई दिल्ली में नरेंद्र मोदी के संकटमोचक की भूमिका निभा चुके अरुण जेटली ने तबियत खराब होने का हवाला देकर पहले ही प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख दी कि वह बिगड़ते स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहते हैं। सुषमा स्वराज ने भी बीमारी के चलते विदिशा से चुनाव नहीं लड़ा था, पर पता नहीं क्यों, सस्पेंस कायम था। पूर्व विदेश सचिव सुब्रमण्यम जयशंकर का आगमन भी कहीं न कहीं सुषमा स्वराज की विदाई की बात कह रहा था। उनके आगमन के साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल को एक और नौकरशाह मिल गया है। उन्हें देश की मौजूदा विदेश नीति और विदेश मंत्रालय को बेहतर दिशा देने के लिए जाना जाता है। वह अपने से वरिष्ठ हरदीप पुरी और जनरल वी के सिंह को पीछे छोड़ यहां तक पहुंचे हैं। अरुण जेटली और सुषमा स्वराज की विदाई बीमारी के चलते हुई, पर कुछ महत्वपूर्ण नामों की गैर-मौजूदगी ने चौंकाया जरूर। जेपी नड्डा, सुरेश प्रभु, राधामोहन सिंह, राज्यवर्द्धन सिंह राठौर, जयंत सिन्हा, महेश शर्मा और अनुप्रिया पटेल के नाम खासतौर पर लेना चाहूंगा। नड्डा और राठौर तो पार्टी आलाकमान की पसंद भी थे। क्या संगठन में उन्हें कोई जिम्मेदारी दी जाने वाली है? अमित शाह के काबीना में आने के बाद यह तय है कि भाजपा को अब नया अध्यक्ष तलाशना होगा। अब तक भगवा दल का उसूल रहा है- एक व्यक्ति एक पद। जब अगले कुछ महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने वाले हों, तब क्या अमित शाह पर दोहरी जिम्मेदारी डाली जाएगी या जल्दी ही किसी और अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी? जेपी नड्डा हिमाचल के हैं, परंतु उन्होंने शिक्षा-दीक्षा बिहार में पाई है। बिहार भारतीय राजनीति का सबसे संवेदनशील सूबा है और 23 मई के परिणामों में भाजपा-जेडीयू गठबंधन को वहां से अकल्पनीय बढ़त मिली है। नड्डा इस नाते अध्यक्ष पद के दावेदार हो सकते हैं, पर पार्टी में भूपेंद्र यादव सहित कुछ और चेहरे भी हैं, जिन्होंने अपनी काबिलियत कई मोर्चों पर साबित की है। जाहिर है कि राजनीतिक अंदाजों के अग्निबाण छोड़ने वालों को कुछ दिनों के लिए काम मिल गया है। बिहार की बात चली है, तो यह बताने में कोई हर्ज नहीं कि ऐन समय पर नीतीश कुमार के जेडीयू ने कैबिनेट में शामिल होने का न्योता ठुकरा दिया। वजह? वही कि हम ज्यादा सीटों के हकदार हैं और एक कैबिनेट मंत्री की सीट से हमारा काम नहीं चलने वाला। नीतीश कुमार के भाजपा से रिश्तों में उतार-चढ़ाव आता रहता है और परिणामों के एक सप्ताह के भीतर ही रिश्तों की नाव एक बार फिर डोलती दिखाई पड़ी। शपथ लेने वालों में रामविलास पासवान भी थे। वह इस बार चुनाव नहीं लड़े थे। जाहिर है कि वह राज्यसभा के जरिए आएंगे। वह अपने पुत्र चिराग पासवान को भी मंत्रिपरिषद में दाखिल कराना चाहते थे, उनकी इस आशा पर फिलहाल पानी फिर गया है। अगर आप जेडीयू, लोजपा और अपना दल को एक खाने में रखकर देखें, तो पाएंगे कि नरेंद्र मोदी सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, पर पुरानी आदत के अनुसार दबाव के आगे झुकना नहीं चाहते। अगर शिवसेना को एक सीट मिली है, तो फिर जेडीयू को ज्यादा क्यों दी जाएं? इसी तरह, लोजपा ने चुनाव से पहले सौदेबाजी में रामविलास पासवान के लिए राज्यसभा और मंत्रिपद का आश्वासन भी ले लिया था। इन सबको स्पष्ट संदेश मिल गया है। अब आते हैं इस मंत्रिमंडल की सबसे महत्वपूर्ण एंट्री पर। वह हैं अमित शाह। राजधानी के सियासी अंतःपुरों में महीनों से खबर पुरगर्म थी कि शाह बतौर गृह मंत्री या वित्त मंत्री कैबिनेट में आएंगे। कुछ लोग यह दावा करते हैं कि वह 2024 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे और इसके वास्ते आवश्यक प्रशासकीय अनुभव जुटाने के लिए उनका काबीना में आना बहुत जरूरी था। जो नहीं जानते, वे जान लें कि गुजरात में शाह गृह समेत कई मंत्रालयों की कमान संभाल चुके हैं। उन्होंने उस समय गृह मंत्रालय की कमान संभाली है, जब घाटी उफन रही है। भाजपा के सामने मंदिर, अनुच्छेद 370, 35-ए आदि वायदों को पूरा करने की चुनौती भी है। असाध्य को साधने की सामर्थ्य वाले शाह पर आम आदमी की निगाहें जमी रहेंगी। इस मंत्रिमंडल में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा को भी खासी तवज्जो दी गई है। उन्होंने गडकरी के बाद और निर्मला सीतारमण से पहले शपथ ली। उन्हें महत्व देने के पीछे दो कारण हैं। पहला यह कि कर्नाटक में भाजपा ने आम चुनावों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए 25 सीटें झटक लीं। मोदी गौड़ा के जरिए वहां के लोगों को बताना चाहते हैं कि मैं आपके साथ खड़ा हूं। इसके साथ ही उनकी निगाहें अब दक्षिण की विजय पर हैं। निर्मला सीतारमण को इस बार वित्त मंत्रालय जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। यहां मैं राजनाथ अथवा गडकरी की चर्चा जान-बूझकर नहीं कर रहा, क्योंकि उनकी हैसियत सहज तौर पर बरकरार रही है। राजनाथ सिंह का विभाग जरूर बदला है। उन्हें अब रक्षा मंत्रालय दिया गया है, जो अपने आप में खासा महत्वपूर्ण है। यहां तीन नामों की चर्चा जरूरी है। सबसे पहले स्मृति ईरानी। राहुल गांधी को अमेठी में हरा देना आसान नहीं था। इसका पुरस्कार उनको मिलना ही था। वैसे भी वह ऊर्जा और ओज की धनी हैं। इसी तरह, रमेश पोखरियाल निशंक और अर्जुन मुंडा को जगह देकर प्रधानमंत्री ने नेक काम किया है। ये दोनों न केवल अपने सूबों के मुख्यमंत्री रहे हैं, बल्कि धरती पकड़ नेता भी रहे हैं। यह मंत्रिमंडल एक और संदेश देता है। मोदी ने एक बड़े कॉरपोरेट की तरह उत्तराधिकार की योजना पर भी काम किया है। शाह, निर्मला और ईरानी की नई भूमिका इसका प्रमाण है। मोदी ने एक बार फिर साबित किया है कि वह जो योजना बनाते हैं, वह उस बीज की तरह होती है, जिसकी उपज बरसों-बरस तक सरसब्ज रहती है।

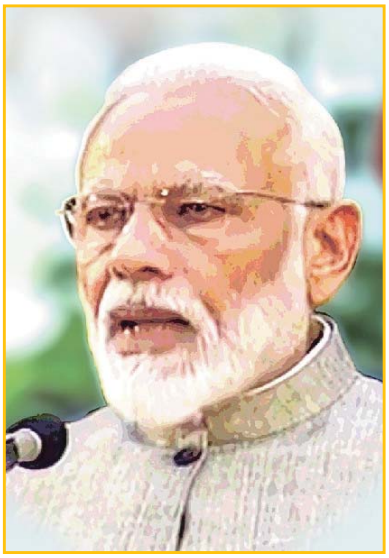

ज्ञान गंगा

तर्क

जग्गी वासुदेव/ आप तर्क दे रहे हैं कि आम तौर पर लोगों को चीजें तब मिलती हैं, जब उनके लिए उनकी कोई अहमियत नहीं रह जाती। ऐसा ज्यादातर उन लोगों के साथ होता है, जो अपनी जिंदगी को ठीक से नहीं संभालते। बहुत सारे लोगों ने अपने जीवन को इस तरह व्यवस्थित किया हुआ है कि उन्हें जीवन में जो चाहिए, उनके पास वो है। यह अलग बात है कि आने वाले समय में वह कोई और चीज हासिल करना चाहते हों। जो लोग ऐसा कर पाने में सफल नहीं हो पाते, वे ऐसे तर्क देते हैं-''मुझे जो चाहिए था, नहीं मिला, यह मेरी किस्मत है।' अगर यह किस्मत है तो आप शिकायत क्यों कर रहे हैं? यही किस्मत है तो इसे ऊपर बैठ कर किसी ने तय किया होगा। फिर शिकायतें क्यों करते हैं? आपको पता है ऐसा क्यों महसूस होता है? क्योंकि आम का मौसम न होने पर भी आप आम खाना चाहते हैं। केले हैं, अमरूद हैं, लेकिन आपको आम ही चाहिए जबकि आम का मौसम नहीं है। जब तक आम का मौसम आता है, आप केले खा सकते हैं, लेकिन आप बैठकर रोते रहते हैं कि मुझे तो बस आम ही चाहिए। आम तो दो महीने बाद आएंगे। पर कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इंतजार नहीं करना चाहते। आम के पेड़ इस तरह से लगा लेते हैं कि उनके पेड़ पूरे साल आम देते रहते हैं। ये आम संख्या में कम होते हैं, स्वाद में भी थोड़े कमतर। लेकिन हां इतना तय हो जाता है कि पूरे साल आपको आम मिलते रहते हैं। बस यही जीवन है। कई बार बहुत-सी चीजें जो आप चाहते हैं, बाद में मिलती हैं, लेकिन उस वक्त आपके पास बहुत सारी दूसरी चीजें होती हैं। समस्या यह है कि आप हमेशा एक खास चीज पर ही निगाहें गड़ाए रहते हैं। एक ऐसी चीज की इच्छा करते रहते हैं, जिसे हासिल करने की क्षमता आपके पास नहीं है, लेकिन उसके अलावा भी तो बहुत चीजें हैं आपके आसपास। यह धरती लोगों के जीवन को अच्छे से सहारा दे सकती है। आप कहेंगे-पर इस दुनिया में बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जो बिना भोजन के मर रहे हैं। वो इसलिए कि एक छोटी-सी जगह पर लाखों लोग एक साथ रहते हैं। मसलन, आप मुंबई जाकर देखें। एक छोटी-सी जगह में डेढ़ करोड़ लोग रह रहे हैं। क्या इसलिए कि उन्हें एक दूसरे से प्यार है, और वे एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते? नहीं, वे एक दूसरे का गला काट देने को तैयार हैं, फिर भी साथ रहते हैं। तो यह सब प्रेम की वजह से नहीं है, इसकी वजह एक खास किस्म का लालच या एक खास किस्म की मजबूरी है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

गरीबी का दर्द जानती हूं, गरीबों की आवाज बनूंगी

नवनिर्वाचित सांसद/ राम्या हरिदास.

अरब सागर से लगे केरल के खूबसूरत तटीय जिले कोझिकोड में एक दिहाड़ी मजदूर के घर पैदा हुई राम्या हरिदास। कुदरत ने इस इलाके को चाहे जितनी भी खूबसूरती बख्शी हो, मगर राम्या का बचपन वंचित समुदायों की तल्ख हकीकतों से टकराते-संभलते हुए ही बीता। गुरबत और बेबसी का दामन थामे उनके जैसे परिवारों के बच्चे अक्सर अपनी झोंपड़ियों में दोनों वक्त भरपेट भोजन के ख्वाब ही संजोते हैं। राम्या इस मायने में खुशकिस्मत थीं कि वह केरल में पैदा हुईं। देश के इस सबसे शिक्षित राज्य ने अपने यहां गरीब से गरीब बच्चे को भी बुनियादी शिक्षा देने की मुकम्मल व्यवस्था कर रखी है। राम्या के पिता मजदूरी में खून-पसीना बहाते रहे, ताकि परिवार का पेट पाल सकें और मां सिलाई का काम करके पति का हाथ बंटाती रहीं। उन्होंने बेटी की पढ़ाई के लिए हर तरह का कष्ट उठाया। राम्या कहती हैं कि 'हमने गरीबी को बहुत करीब से देखा है। हम बरसों झोंपड़ी में रहे। यहां तक कि अब भी सरकार के दिए घर में ही रहते हैं। पर उन दिनों में भी, जब मां-बाप अपनी बेटियों को घर से बाहर जाने देने में आना-कानी करते थे, मेरी मां ने मुझे जिंदगी की हरेक दौड़ में बेखौफ शामिल होने का हौसला दिया।' .राम्या स्कूल के दिनों से ही अच्छा गाती थीं, खासकर लोकगीत गाने के उनके अंदाज ने उन्हें स्थानीय तौर पर खूब सराहना दिलाई। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और वह भीड़ से मुखातिब होना भी सीखती चली गईं। इस बीच, उन्होंने एसएसएलसी (दसवीं बोर्ड) की परीक्षा पास करने के बाद फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया और 2007 में 'प्री-प्राइमरी चाइल्डहुड कोर्स' भी किया। राम्या म्यूजिक में स्नातक हैं। पढ़ाई के दौरान ही वह केरल कांग्रेस की छात्र इकाई से जुड़ीं और उन्होंने समाजसेवा में सक्रिय होने का फैसला किया। साल 2010-11 में कांग्रेस ने भविष्य के नेताओं की तलाश में एक 'टैलेंट हंट' कार्यक्रम का आयोजन किया था। यह कवायद राम्या के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। इस कार्यक्रम में उनके शानदार प्रदर्शन ने पार्टी नेतृत्व का ध्यान उनकी तरफ खींचा। इसके बाद वह पार्टी के युवा संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ गईं। लेकिन एक गंभीर नेता के तौर पर स्थानीय लोगों ने उनको तब पहचाना, जब वह कन्नामंगलम ब्लॉक पंचायत की प्रेसिडेंट चुनी गईं। राम्या ने पूरी शिद्दत से आदिवासियों के बीच काम करना शुरू कर दिया। . जब इस साल लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई, तो कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित अलतुरा संसदीय क्षेत्र से राम्या को टिकट देकर सबको चौंका दिया। एक ऐसी महिला, जिसके पास छोटा-मोटा चुनाव लड़ने तक का संसाधन नहीं, वह भला लोकसभा का चुनाव कैसे लड़ती और लगभग एक महीने तक के प्रचार कार्यक्रम के लिए कहां से धन लाती? राम्या के पास अपनी जमापूंजी तो महज 22,816 रुपये थी। इसमें से भी 12,816 रुपये उनके दो बैंक खातों में थे, जबकि 10,000 रुपये का सोने का एक आभूषण उनके पास था। मां-पिता से भी किसी मदद की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। राम्या की मां अब जीवन बीमा करने लगी हैं, जिससे उन्हें सालाना 12,000 रुपये की ही कमाई हो पाती है। ऐसे में, पार्टी और उनके समुदाय के लोगों ने उनका साथ दिया। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एक पूर्व निदेशक जॉन सैमुएल ने अपने तईं न सिर्फ उन्हें 25,000 रुपये का चंदा दिया, बल्कि उनकी आर्थिक मदद के लिए सोशल मीडिया पर एक अभियान 'राम्या हरिदास चैलेंज फंड' चलाया। सैमुएल कहते हैं कि मैंने लोगों से अनुरोध किया कि 'यदि आप चाहते हैं कि आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोग धन्ना सेठों की मदद के बगैर संसद में पहुंचें, तो उनको चुनावी चंदा दीजिए।' सैमुएल के मुताबिक, 1,000 से अधिक लोगों ने राम्या की मदद का भरोसा दिया और जब वह अपना नामांकनपत्र भरने गईं, तो नामांकन स्थल के बाहर जुटी भारी भीड़ ने 'छोटी बहन आई है' के नारे के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। लेकिन 32 वर्षीया राम्या का चुनावी रास्ता आसान न था। उनका मुकाबला पिछले दस साल से सांसद रहे व्यक्ति से था। यह सीट सत्तारूढ़ वाम मोर्चे के गढ़ के रूप में जानी जा रही थी। राम्या ने अपनी गायन प्रतिभा के जरिए चुनाव अभियान को रोचक बना दिया। उनकी इस शैली को कामयाब होता देख विरोधी बौखला उठे और जैसा कि हमारे देश में अक्सर महिला राजनेताओं को झेलना पड़ता है, राम्या को भी अशालीन हमले झेलने पड़े। मगर उन्होंने बगैर आपा खोए जनता तक अपनी वेदना पहुंचाई। लोगों ने उनका साथ दिया और वह डेढ़ लाख से भी अधिक मतों के अंतर से अपना चुनाव जीत गईं। केरल से 17वीं लोकसभा पहुंचने वाली राम्या अकेली महिला हैं। अपनी कामयाबी के बाद राम्या के अल्फाज थे- 'अलतुरा के लोगों ने मेरा मान रखा, वे मेरे साथ खड़े हुए हैं। अब मेरी बारी है। मैं उन्हें निराश नहीं करूंगी।'.

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

फिक्की ने पीएम-किसान योजना का लाभ सभी किसानों को देने के फैसले की सराहना की

नई दिल्ली :

उद्योग मंडल फिक्की ने पीएम-किसान योजना का दायरा बढ़ाकर सभी कृषकों को इस योजना का लाभ देने के सरकार के फैसले की शनिवार को सराहना की। संगठन ने कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र में मौजूद पूरी संभावनाओं का अब तक इस्तेमाल नहीं हो सका है। दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ देश के सभी 14.5 करोड़ किसानों को देने का फैसला किया गया। इस योजना पर 87,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके साथ ही भाजपा के चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में कदम उठाते हुए पांच करोड़ किसानों के लिए 10,000 करोड़ रुपए के पेंशन योजना की घोषणा की। उद्योग मंडल ने नए पेंशन योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। फिक्की पीएम-किसान योजना का लाभ सभी किसानों को देने की हिमायत करता रहा है। सरकार ने इस साल अपने अंतरिम बजट में दो हेक्टेयर तक की जोत वाले देश के 12.5 करोड़ छोटे किसानों को सालाना छह हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी। फिक्की के अध्यक्ष संदीप सोमानी से सरकार से कहा, 'हम प्रधानमंत्री से इस शानदार निर्णय के बाद सुधार से जुड़े कदमों को समयबद्ध तरीके से लागू करने का आग्रह करते हैं। इससे कृषि क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।'

सरकार की भरी झोली, मई महीने में GST कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपए के पार

नयी दिल्ली ।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई महीने में एक लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल मई में जीएसटी के मद में 94,016 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी थी। मई में जीएसटी संग्रह 1,00,289 करोड़ रुपये रहा। यह अप्रैल 2019 के 1,13,865 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह की तुलना में कम है। मई महीने में कुल 72.45 लाख संक्षिप्त बिक्री रिटर्न जीएसटीआर -3 बी जमा किए गए। यह अप्रैल में दाखिल किए गए 72.13 लाख रिटर्न की तुलना में अधिक है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा , 'मई महीने में कुल जीएसटी संग्रह 1,00,289 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 17,811 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 24,462 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 49,891 करोड़ रुपये और उपकर संग्रह 8,125 करोड़ रुपये रहा।'

मंत्रालय ने बताया कि फरवरी-मार्च 2019 के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में राज्यों को 18,934 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की चोरी करने वाले व्यक्तियों को गिरफ्तार करने की कर प्राधिकरणों की शक्ति की समीक्षा करने पर सहमति प्रदान की थी।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाश पीठ ने केंद्रीय जीएसटी अधिनियम के गिरफ्तारी के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और जवाब देने को कहा। पीठ ने कहा कि जीएसटी चोरी करने के आरोपियों को जमानत देने के मामले में विभिन्न उच्च न्यायालयों ने अलग-अलग रुख अपनाया है, इस कारण गिरफ्तारी की शक्ति की समीक्षा की जरूरत है।

मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में कमी, ट्राई प्रमुख ने कहा- चिंता की बात नहीं

नई दिल्ली: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा है कि हाल में मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में आई कमी चिंता की बात नहीं है और नियामक को किसी तरह का हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। ट्राई के चेयरमैन आर एस शर्मा ने कहा कि यह उतार-चढ़ाव न्यूनतम रिचार्ज प्लान की वजह से है और समय के साथ चीजें ठीक हो जाएंगी। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार देश में मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च, 2019 को घटकर 116.18 करोड़ पर आ गई। यह इससे पिछले महीने की तुलना में 2.18 करोड़ की कमी है। मार्च के अंत तक देश में कुल फोन घनत्व घटकर 90.11 रह गया जो फरवरी के अंत तक 91.86 था। शर्मा ने हालांकि मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में कमी को नजरअंदाज करते हुए कहा कि इस तरह का उतार-चढ़ाव कई कारणों से है। मसलन दूरसंचार आपरेटरों ने कनेक्शनों को सक्रिय रखने के लिए मासिक न्यूनतम रिचार्ज शुरू किया है। इससे ऐसे कनेक्शन हट गए हैं जो सक्रिय नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि यह चिंता की बात है। यह पूछे जाने पर कि क्या नियामक इस मामले में हस्तक्षेप करेगा, शर्मा ने कहा कि हस्तक्षेप करने का सवाल नहीं खड़ा होता। ट्राई प्रमुख ने कहा कि जिस तरह से लोग डेटा सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं मुझे विश्वास है कि बाजार ठहरेगा नहीं। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार मार्च के अंत तक इससे पिछले महीने की तुलना में वोडाफोन आइडिया तथा भारती एयरटेल के मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 1.45 करोड़ और 1.51 करोड़ की कमी आई। वहीं माह के दौरान रिलायंस जियो ने 94 लाख नए ग्राहक जोड़े। मार्च, 2019 के अंत तक कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या घटकर 116.18 करोड़ पर आ गई, जो फरवरी के अंत तक 118.36 करोड़ थी।

अमेरिकी न्याय विभाग करेगा गूगल की जांच

सैन फ्रांसिस्को –

अमेरिकी न्याय विभाग गूगल के खिलाफ एक मामला खोलने की तैयारियों में जुटा है, जोकि एकाधिकार उल्लंघनों से संबंधित है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह जानकारी दी है। यह ऐसे समय हुआ है, जब बहस चल रही है कि क्या बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को तोड़कर छोटी-छोटी कंपनियों में बांट दिया जाना चाहिए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, ÷इस साल फरवरी में नई एंटीट्रस्ट टास्क की घोषणा की गई, जिसके बाद ट्रेड कमीशन ने गूगल की जांच में रुचि ली है। हाल के हफ्तों में आयोग ने कंपनी के बारे में न्याय आयोग में शिकायतें दर्ज कराई हैं। यह जानकारी मामले की जानकारी रखनेवाले विभाग के दो लोगों से मिली है।÷आयोग ने टेक दिग्गज के खिलाफ शिकायत दर्ज करानेवाली कंपनियों को न्याय विभाग के समक्ष शिकायत दर्ज कराने को कहा है। यह गूगल के लिए नई बात नहीं है। कंपनी ने अतीत में एंटी ट्रस्ट मामलों में जांच का सामना किया है। साल 2013 में गूगल ने कहा था कि वह अपने कारोबार के तौर तरीकों में बदलाव लाने जा रही है, जब उसने अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग के समझ समझौता करने पर सहमति जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

देश की प्रति व्यक्ति आय 10 प्रतिशत बढ़कर 10,534 रुपए महीना हुई

नई दिल्ली। देश की प्रति व्यक्ति आय मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत बढ़कर 10,534 रुपए महीना पहुंच जाने का अनुमान है। सरकार के राष्ट्रीय आय पर शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले वित्त वर्ष 2017-18 में मासिक प्रति व्यक्ति आय 9,580 रुपए थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी वित्त वर्ष 2018-19 की सालाना राष्ट्रीय आय और जीडीपी आंकड़े के अनुसार, वर्तमान मूल्य पर प्रति व्यक्ति आय 2018-19 में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,26,406 रुपए (10,533.83 रुपए मासिक) पहुंच जाने का अनुमान है। वर्ष 2017-18 में यह आंकड़ा 1,14,958 रुपए वार्षिक(9,579.83 रुपए मासिक) था।'' प्रति व्यक्ति आय देश की समृद्धि का स्वाभाविक संकेतक है। वर्तमान मूल्य पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 2018-19 में 11.3 प्रतिशत बढ़कर 188.17 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 169.10 लाख करोड़ रुपए थी। कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से देश की सकल घरेलू उत्पाद 2018-19 वृद्धि चौथी तिमाही में 5.8 प्रतिशत रही। पिछले पांच साल के दौरान चौथी तिमाही में यह सबसे कम वृद्धि रही है। इससे पहले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 2014-15 के बाद सबसे कम है। इससे पहले 2013-14 में वृद्धि दर सबसे कम 6.4 प्रतिशत रही थी। पूरे वित्त वर्ष की यदि बात की जाए तो 2018-19 में आर्थिक वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत थी। -एजेंसी

औद्योगिक मांग आने से चांदी 30 रुपए चमकी, सोना 50 रुपए लुढ़का

नई दिल्ली। ऊंचे भाव पर जेवराती खरीद कम होने से दिल्ली सर्राफा बाजार में शनिवार को सोना 50 रुपए लुढककर 33,120 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस दौरान औद्योगिक मांग आने से चांदी 30 रुपए की बढ़त में 37,580 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लंदन का सोना हाजिर शुक्रवार को बढ़त के साथ 1,305.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी तेजी में 1,310.20 डॉलर प्रति औंस बोला गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी हाजिर भी सप्ताहांत पर तेजी के साथ 14.54 डॉलर प्रति औंस के भाव बिकी। ऊंचे दाम पर घरेलू जेवराती माँग कमजोर पड़ने से सोना स्टैंडर्ड 50 रुपए उतरकर 33,120 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। सोना बिटुर भी इतनी ही गिरावट के साथ 32,950 रुपए प्रति दस ग्राम के भाव बिका। हालांकि आठ ग्राम वाली गिन्नी 200 रुपए की तेजी में 26,700 रुपए बोली गई। औद्योगिक मांग आने से चांदी हाजिर 30 रुपए की बढ़त लेकर 37,580 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। चांदी वायदा 10 रुपए उतरकर 36,380 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। सिक्का लिवाली और बिकवाली क्रमशः 80 हजार और 81 हजार रुपए प्रति सैकड़ा पर टिके रहे।

विदेशी निवेशकों ने मई में पूंजी बाजार में 9,031 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली: आम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद कारोबार के लिए ज्यादा अनुकूल माहौल बनने की उम्मीदों को देखते हुए विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से 9,031 करोड़ रुपए की पूंजी डाली। दिलचस्प बात यह है कि मई के पहले तीन हफ्तों में विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे लेकिन चुनाव नतीजों की घोषणा से पहले उनके रुख में बदलाव देखा गया। डिपॉजिटरी के पास मौजूद ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2-31 मई के दौरान, शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 7,919.73 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि बॉन्ड बाजार में 1,111.42 करोड़ रुपए डाले। इस तरह निवेशकों ने शुद्ध रूप से 9,031.15 करोड़ रुपए का निवेश किया। इससे पहले, वैश्विक निवेशकों ने शेयर और बॉन्ड बाजार दोनों में अप्रैल में शुद्ध रूप से 16,093 करोड़ रुपए की पूंजी डाली थी। वहीं मार्च में 45,981 करोड़ रुपए तथा फरवरी में 11,182 करोड़ रुपए का निवेश किया था। विशेषज्ञों ने कहा कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार सत्ता में दोबारा आने के बाद पहले कार्यकाल में शुरू किए गए सुधारों को जारी रखेगी। विदेशी निवेशकों ने 2 से 17 मई के दौरान बाजार से शुद्ध रूप से 6,399 करोड़ रुपए की निकासी की थी। मॉर्निंगस्टार के वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार की तरह वापस लौटना शुरू दिया है और 23 मई 2019 को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनकी उम्मीदें हकीकत में तब्दील होने पर निवेशकों ने निवेश बढ़ा दिया।

एक जून से रसोई गैस मंहगी

नयी दिल्ली। रसोई गैसे सिलेंडर के दाम एक जून से देशभर में बढाये गये हैं और बिना सब्सिडी वाला घरेलू गैस सिलेंडर आधी रात से 25 रुपये तथा सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर एक रुपये 23 पैसे मंहगा हो जाएगा। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक जून से सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर 497 रुपये 37 पैसे का मिलेगा। मई में इसकी कीमत 496 रुपये 14 पैसे थी। इसके साथ ही दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 25 रुपये की वृद्धि की गयी है। मई में इसकी कीमत 712 रुपये 50 पैसे थी जो जून में बढकर 737 रुपये 50 पैसे हो जाएगी। इंडियन ऑयल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रसोई गैस की कीमतों में परिवर्तन और डॉलर की तुलना में रुपये की विनिमय दर में आये बदलवों के मद्देनजर रसोई गैस की कीमतें बढाई गयीं हैं। एजेंसी

भारत में ऑडी ए3 सिडैन अब 28.99 लाख रुपये में

मुंबई।

जर्मन लक्जरी कार मैन्युफैक्च रर ऑडी की लोकप्रिय कॉम्पैक्ट लक्जरी सिडैन ऑडी ए3 ने भारत में अपने पांच वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर कंपनी ने इस मॉडल की एक खास कीमत की घोषणा की है। ऑडी ए3 सिडैन अब भारत में 28,99,000 रुपये की शुरुआती कीमत से उपलब्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2014 में भारत में लांच होने के बाद से ऑडी ए3 सिडैन ने डिजाइन, टेक्नोलॉजी और कॉम्पैक्ट आकार में ड्राइविंग डायनमिक्स में ऑडी की विशेषज्ञता को दर्शाया है। इससे पहले ये गुण ऑडी ब्रांड की फुल-साइज लक्जरी कारों में ही प्रदर्शित होते थे। ऑडी ए3 ने तुरंत युवा और स्टाइलिश उपभोक्ताओं को ऑडी परिवार की ओर आकर्षित किया और तब से यह इस सैगमेंट की सबसे कामयाब कारों में से एक बन चुकी है।

क्या भारत हुआवेई के वैश्विक नुकसान की भरपाई कर सकता है?

नई दिल्ली ।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में पिसी चीन की प्रमुख कंपनी हुआवेई अपनी प्रतिष्ठा बचाने और अपने खोए हुए आधार को वापस लेने के लिए तेजी से प्रयास कर रही है। कंपनी भरोसेमंद स्मार्टफोन निर्माता और 5जी सुविधा देने वाली कंपनी की अपनी प्रतिष्ठा को दोबारा पाने के लिए भारत में अपने संचालन में तेजी लाने का प्रयास कर रही है। डिजिटल-फ्रैंडली नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने पर यह देखना मजेदार होगा कि हुआवेई और उसके 5जी के सपने को खत्म कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बिना हमलावर हुए हुआवेई के लिए क्या प्रतिक्रिया होगी। एक स्थिर प्रौद्योगिकी परिदृश्य वाले भारत में हुआवेई ने डिवाइसेज और 5जी प्रौद्योगिकी सेगमेंट में अपनी अधिकतम ऊर्जा लगाने का निर्णय लिया है। अमेरिका के 5जी सेगमेंट पर प्रतिबंध से आगामी तिमाहियों में बड़े दुष्प्रभाव दिखने को तैयार है। हुआवेई के अनुमान के अनुसार, 2025 तक 2.8 अरब 5जी यूजर्स होंगे। हुआवेई अमेरिकी प्रतिबंध से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भारत पर गंभीरता से नजर रख रहा है। सीएमआर के इंडस्ट्रियल इंटेलिजेंस बिजनेस (आईआईजी) के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, हुआवेई को जहां कहीं भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, उसके विपरीत भारत अभी भी हुआवेई के लिए क्षमतावान सकारात्मक स्थान है। उन्होंने कहा, 4जी के विपरीत 5जी पूरी तरह नया क्षेत्र है और भारत को अपने यहां 5जी को लेने के विभिन्न मामलों का परीक्षण करने की जरूरत है। इस तरह, इसे हुआवेई सहित विभिन्न वेंडरों की किस्मों की क्षमताओं पर निर्भर होने की जरूरत होगी। भारत ने हालांकि 5जी लाने के लिए 2020 का लक्ष्य रखा है, लेकिन देश में अभी तक 5जी परीक्षण के मामलों के लिए भी ऑपरेटरों को 5जी स्पेक्ट्रम का आवंटन नहीं किया है। राम ने कहा, हुआवेई 5जी परीक्षण करने के लिए मार्केट में भारतीय टेलीकॉम कंपनियों के साथ काम कर रहा है। इस प्रकार मुझे लगता है कि हुआवेई को परीक्षण में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

मौद्रिक नीति, वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। ईद-उल-फित्तर के मौके पर बुधवार को बाजार बंद रहेंगे। इसी बीच, शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद सरकार की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों में कहा गया है कि भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में पांच साल के न्यूनतम स्तर 5.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। कृषि एवं विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन को आर्थिक वृद्धि दर में कमी का मुख्य कारक बताया गया है। वहीं अप्रैल में आठ बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों की वृद्धि दर भी घटकर 2.6 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। हालांकि, वित्त वर्ष 2018-19 में राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के अनुरूप रहने से सरकार को थोड़ी राहत मिली है। संशोधित बजट अनुमान में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.4 प्रतिशत पर सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया था। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि इन आर्थिक आंकड़ों का असर सोमवार को बाजार पर देखने को मिल सकता है लेकिन जीडीपी की सुस्त पड़ती रफ्तार से इस बात की संभावना बढ़ गयी है कि केंद्रीय बैंक छह जून को ब्याज दरों में कटौती करे। निवेशक इसका स्वागत करेंगे। शेयरखान बाई बीएनपी परिबा के प्रमुख सलाहकार हेमांग जानी ने कहा, ''वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका-चीन के बीच व्यापार युद्ध और तेल के दाम में इजाफे से बाजार की आगे की दिशा तय होगी। हम शेयर बाजार को लेकर अब भी आशान्वित हैं।'' विशेषज्ञों का मानना है कि नई सरकार में मंत्रिमंडल के बंटवारे के बाद अब ध्यान मुख्य आर्थिक सुधारों और नीतियों पर रहेगा। एपिक रिसर्च के सीईओ मुस्तफा नदीम ने कहा, ''वित्त मंत्रालय की अगुवाई अब निर्मला सीतारमण कर रही हैं और उनसे कई उम्मीदें हैं।

फिर सस्ता हो सकता है कर्ज, ब्याज दर में कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक बृहस्पतिवार को मौद्रिक नीति की समीक्षा में नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। यदि केंद्रीय बैंक ऐसा करता है तो यह लगातार तीसरा मौका होगा जबकि वह ब्याज दर घटाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि 2018-19 की चौथी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर पांच साल के निचले स्तर पर आ गई है जिसके मद्देनजर रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ी है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करेगी। नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के दूसरे कार्यकाल में यह पहली मौद्रिक समीक्षा होगी। पिछली दो बैठकों में भी एमपीसी नीतिगत दरों में चौथाई-चौथाई प्रतिशत की कटौती कर चुकी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली एमपीसी की तीन दिन की बैठक चार जून से शुरू होगी। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी हालिया शोध रिपोर्ट में कहा था कि रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में अधिक बड़ी कटौती करनी होगी, 0.25 प्रतिशत से अधिक, जिससे अर्थव्यवस्था में सुस्ती को रोका जा सके। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन के लिए केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों में कटौती को जारी रखना होगा। उन्होंने कहा, उपभोक्ता सामान खंड में उत्पादन और बिक्री में कमी को दूर करने की जरूरत है। यात्री कारों, दोपहिया और गैर टिकाऊ सामान क्षेत्र में बिक्री में वृद्धि की जरूरत है। कोटक महिंद्रा बैंक की अध्यक्ष (उपभोक्ता बैंकिंग) शान्ति एकाम्बरम ने कहा कि रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती की दृष्टि से वृहद वातावरण अनुकूल है। उन्होंने कहा, हम तरलता बढ़ाने के उपाय और ब्याज दरों में कटौती दोनों की उम्मीद कर रहे हैं। ब्याज दरों में कटौती चौथाई से आधा प्रतिशत हो सकती है। वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने हालांकि ब्याज दरों में कटौती पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने यह जरूर कहा कि फरवरी से ब्याज दरों में दो बार कटौती की जा चुकी है। गर्ग ने कहा कि एमपीसी मुद्रास्फीति में

कमी और आर्थिक वृद्धि नरम पड़ने पर गौर करते हुए फैसला करेगी। हालांकि, इक्रा के प्रमुख (वित्तीय क्षेत्र साखत्र कार्तिक श्रीनिवासन ने आगामी बैठक में एमपीसी ब्याज दरों के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखेगी।

सूरत। रविवार को आज सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वर भाई परमार के कर कमलों द्वारा बारडोली तालुका माहयावंशी मसाज प्रगति मंडल द्वारा नवनिर्मित स्व. रमणभाई सुखाभाई परमार सांस्कृतिक भवन का लोकार्पण किया गया।

खटोदरा पुलिस स्टेशन में तीन युवकों को मारने के बाद सिविल में लाये गये युवकों के चौपडे पर अलग लिखावट दिखने से शंका कुशंका

सूरत। रविवार को चोरी के अपराध स्वीकार करने हेतु दो सगे भाई सहित चीन युवकों को खटोदरा पुलिस स्टेशन में बन्द कर बुरी तरह मारने के बाद तीनों युवकों को नयु सिविल हास्पिटल में भर्ती किया गया था लेकिन वहां दो डाक्टरों की अलग अगल लिखावट सरकारी चौपड़े में दिखने से शंका कुशंका पैदा होती है।

नई सिविल हास्पिटल के सूत्रों से मिली सूचनानुसार पान्डेसरा विस्तार में से दो सगे भाईयों सहित तीन युवकों को खटोदरा पुलिस स्टेशन में दो दिनों तक बंद कर मार मारी गयी थी। बाद में ता. 31 मई के दिन घायल ओम प्रकाश पान्डेय 24 वर्ष को उपचार हेतु पुलिस न्यु सिविल हास्पिटल में इमर्जेंसी उपचार विभाग में ले गयी जहां ड्युटी पर उपस्थित डाक्टर ओम प्रकाश का केस पेपर लेकर गया था। जिसमें डाक्टर ने उल्लेख किया था कि उस रोगी को खैंच आयी थी। पुलिस ने मारा हो ऐसा कोई उल्लेख नहीं किया गया था जिसके बाद उन्हें नई सिविल हास्पिटल में भर्ती किया गया था। इसी बीत ओम प्रकाश के भाई रामगोपाल 20वर्ष तथा मित्र जयप्रकाश बलराम पान्डेय उम्र 16 वर्ष तीनों निवासी विनायक नगर कैलाश नगर के पास पान्डेसरा को न्यु सिविल हास्पिटल में इमर्जेन्सी में लाया गया था वहां इस समय उपस्थित खटोदरा पुलिस ने बैट, बेल्ट एवं पट्टा से मारने से हाथ में मार का निशान था जबकि राम गोपाल की पीठ के भाग तथा दोनों हाथों में घाव थे।

उल्लेखनीय है कि न्यु सिविल हास्पिटल में तात्कालिक सारवार विभाग में फरज बजाते दो डाक्टरों के सरकारी चौपड़े में अलग लेख देखने से सब चौक गये थे। इतना ही नहीं अलग लेख लिखने के संदर्भ में अनेक प्रकार की शंकाये एवं कुशंकाये पैदा हो रही है। जिससे डाक्टरों की भूमिका भी शंकास्पद लगती है ऐसी चर्चाये सिविल हास्पिटल में हो रही है। पुलिस की मार से मृत्यु पाये युवक का मृतदेह सिविल में लाया गया तो वहां उसके संबन्धी एवं पुलिस अधिकारियों का काफिला था। खटोदरा पुलिस स्टेशन में पी.आई. सहित पुलिस के मार मारने से गंभीर रुप से घायल 24 वर्षीय ओमप्रकाश पान्डेय को अधिक इलाज हेतु प्राइवेट हास्पिटल में दाखिल किया गया जहां कल रात उसकी मृत्यु हो गयी जिससे अफरा तफरी मच गयी थी। बाद में उसका मृतदेह पुलिस जवानों ने न्यु सिविल हास्पिटल में भेजा गया था।

नागरवेल हनुमान मंदिर में शनिदेव जयंती महोत्सव

नागरवेल हनुमान मंदिर में तेल से लघुरूद्राभिषेक किया जाएगा

शनिदेव जयंती महोत्सव को लेकर शहर के विभिन्न शनिमंदिरों में भी शनिभक्त बड़ी संख्या में पहुंचेंगे

अहमदाबाद । शहर के अमराईवाडी-रखियाल रोड पर स्थित प्रसिद्ध नागरवेल हनुमान मंदिर में ०३.०६.२०१९ को अमावस्या को श्री शनिदेव जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है । यह विशेष अवसर पर नागरवेल हनुमान मंदिर में ८०० किलो की शनि शिला पर तेल से लघुरूद्राभिषेक किया जाएगा यह श्री नागरवेल हनुमान मंदिर के श्री रंगनाथाचार्यजी महाराज ने बताया । सोमवार को शनिदेव जयंती महोत्सव को लेकर शहर के विभिन्न शनिमंदिरों में भी शनिभक्त बड़ी संख्या में पहुंचेंगे । सोमवार को दोपहर में ३-३२ तक सोमवती अमावस्या रहेगी । प्रसिद्ध और चमत्कारिक नागरवेल हनुमान मंदिर में अमावस्या के अवसर पर शनिदेव जयंती महोत्सव के विशेष आयोजन और कार्यक्रम रखे गये है । इस मामले में श्री नागरवेल हनुमान मंदिर के श्री रंगनाथाचार्यजी महाराज ने शहरीजनों को और भक्तों को यह पवित्र दिन पर नागरवेल हनुमान और शनि महाराज के विशेष दर्शन का लाभ लेने के लिए अनुरोध किया । उन्होंने बताया कि, प्राचीन और ऐतिहासिक ऐसे नागरवेल हनुमान मंदिर में स्थित श्री शनिदेव की मूर्ति को सोमवार को भव्य तरीके से श्रृंगार द्वारा सजाया जाएगा । सुबह में १० से १ बजे ८०० किलो की शनि शिला पर सरसो के तेल से लघुरूद्राभिषेक किया जाएगा । शाम को ५ से ८ बजे शनि हवन और रात को ८.३० बजे शनिदेव की विशेष आरती का आयोजन किया गया है । इस दिन में हजार शनिभक्त सरसों का तेल, काला कपड़ा, काली उड़द, काला छता, काला जूता-चप्पल, लोहे की वस्तुओं को शनिदेव को अर्पित करके विशेष पुण्य प्राप्त कर सकेंगे । श्री रंगनाथाचार्यजी महाराज ने आगे बताया कि, शास्त्रों में भी शनि अमावस्या का अलग ही महत्व होने की वजह से भक्तों को यह दिन में संभव हो शनिदेव का जाप और मंत्र उच्चारण करके उनको यशाशक्ति उपरोक्त वस्तु अर्पित करके दान-धर्म करके पुण्य करना चाहिए क्योंकि, यह कई गुना फल देती है ।

सोमवार को शहर के दूधेश्वर के अतिप्राचीन शनिमंदिर में शनिदेव अमावस्या की उत्सव का भव्य आयोजन किया गया है ।दूधेश्वर के शनिमंदिर में सोमवार को शनिदेव को महाप्रसाद अर्पित किया जाएगा । इसके साथ ही शनिदेव की भव्य महाआरती और होम-हवन, यज्ञ का भी आयोजन किया गया है । वासणा क्षेत्र के शनिदेव मंदिर, शाहीबाग क्षेत्र के शनिमंदिर, थलतेज में शनिमंदिर, ड्राइवइन क्षेत्र में वैभवलक्ष्मी मंदिर में स्थित शनिमंदिर सहित के शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शनिमंदिरों में शनिमहाराज की जयंती की भव्य उत्सव के अलावा, तेल अभिषेक और विशेष पूजा-महाआरती का आयोजन किया गया है ।

सोमवती अमावस्या को लेकर शिव मंदिरों में भक्त पहुंचेंगे

अहमदाबाद । सोमवार और सोमवती अमावस्या होने से शिवमंदिरों में भक्त बड़ी संख्या में पहुंचेंगे । सोमवार को भोलानाथ को विशेष जलाभिषेक, दूध, धन-धान्य का महाअभिषेक और लघुरुद्र सहित के विशेष पूजा-आरती के आयोजन शिवमंदिरों में किया गया है, इसे लेकर भक्तों में भारी उत्साह है । सोमवती अमावस्या का शास्त्र में भी विशेष महत्व होने की वजह से सोमवार को शिवभक्त भोलेनाथ को मनाने के लिए और उनको प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक से लेकर महामृत्युंजय जाप, लघुरूद्र सहित के पूजा, जप-तप सहित की आराधना करेंगे ।

तेजस्वी विद्यार्थियों को मुफ्त स्कूल बैग वितरण

सूरत। रविवार को कबीर वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा अधिक टकावारा पाये तेजस्वी छात्रों को तथा अन्य गरीब विद्यार्थियों को मुफ्त स्कूल बैग वितरित किया गया। कबीर वेलफेयर ट्रस्ट के प्रमुख तलीफ खरादी तथा मंत्री जान मोहम्मद खान को बताया था कि तेजस्वी विद्यार्थियो के प्रोत्साहन हेतु मुफ्त बैग वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। शिक्षा ये जीवन की सबसे मूल आवश्यकता है। हमारा ट्रस्ट शिक्षा के क्षेत्र में अधिकाधिक कार्यवाही करने हेतु प्रयत्नशील है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुजरात प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रवक्ता तथा इन्टक के कामदार नेता शान खान उपस्थति थे। बैग वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन का शान खान ने उपस्थित विद्यार्थियों को शुभेच्छाये देते हुए कहा कि ज्ञान एवं शिक्षा बहुत ही आवश्यक एवं महत्वपुर्ण वास्तु है इसके प्रोत्साहन एवं विकास हेतु प्रत्येक को सकारात्म प्रयत्न करना चाहिए उपरोक्त कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश युवा प्रवक्ता के अतिरिक्त कबीर वेलफेयर ट्रस्ट के प्रमुख लतीफ खरादी मंत्री जान मोहम्मद खान, खजानची, उत्सव पेटल, सामाजिक अग्रणी आबिदखान तौसिफ अन्सारी, सुमित राठोड़, चेतन लबदे आशीष निषाद, काजिम खान, सहित राजकीय एवं सामाजिक क्षेत्र के अग्रणी उपस्थित रहे।

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने इनोवा और फार्चूनर जैसी फोरव्हील गाड़ी चुराने वाले गैंग को किया गिरफ्तार

सूरत। रविवार को सूरत शहर में पिछले काफी समय से टोयोटा, कम्पनी की इनोवा फार्चूनर फोरव्हील गाडीयां चोरी होने की घटनाओं को गंभीरता से ले सम्बन्धित चोरों को पकड़ने हेतु पुलिस कमिश्नर एवं अन्य पुलिस उच्चाधिकारियों ने संलग्न गैंग को पकड़ने हेतु आदेश दिया था। नायब पुलिस कमिश्नर क्राइम ब्रांच इत्यादि पुलिस आफीसरों तथा पुलिस इंस्पेक्टर क्राइम ब्रांच के मार्गदर्शन के तहत क्राइम ब्रांच पु.स.इं. एम.ए. त्रिवेदी तथा पु.स.इं. आई.एस. रबारी की टीम द्वारा पिछले एक वर्ष में चोरी हुई इनोवा तथा फार्चूनर की विगतों प्राप्त कर टी.वी. फुटेज की जांच में फोरव्हील चुराने आने वाली गैंग स्विफ्ट कार लेकर आती हुई मालूम हुई। जिसके संदर्भ में जांच करने पर यह स्विफ्ट कार राज्सथान के जालौर जिले के साचोर से आती हुई मालूम पड़ी और चोरी हुई गाडियां भी राज्सथान तरफ जाती हुई मालूम हुई। बाद में सी.सी.टी.वी फुटेज के आधार पर फोरव्हीलर चोरी करने आने वाले व्यक्तियों की पहचान करने के प्रयास में थे इसी बीच आज पी.एस.आई. एम. एस. त्रिवेदी तथा पी.एस.आई. आई.एस.रबारी आदि को मिली सूचना के आधार पर उधना मगदल्ला रोड़ अणुव्रत द्वारा के पास से आरोपी रुपाराम उर्फ पप्पु माना राम खिलेरी, विश्नोई 26 वर्ष निवासी गाम पुनासा पुलिस स्टेशन भीनमाल जिला जालौर के एक बिना नम्बर की इनोवा कार कीमत 10,00000 की मत्ता के साथ गिरफ्तार कर कायदेसर कार्यवाही की गयी। मजकूर के पास से मिली इनोवा कार संदर्भ में पूछताछ में मालूम हुआ कि उपरोक्त आरोपी एवं सह आरोपी मंगाराम उर्फ मंगीलाल सुथार तथा ओमप्रकाश विश्नोई इत्यादि ने साथ मिलकर जनवरी महीना में मुंबई से गाड़ी चुराकर अपने गाम में ले गये तथा चेसिस नम्बर घिसकर अपने उपयोग हेतु घुमाते थे ऐसी सूचना प्राप्त हुई। मजकूर आरोपी से मिली अतिरिक्त सूचनानुसार उनकी कुल सात लोगों की गैंग है। जिसमें 1. मांगाराम उर्फ मांगीलाल सुथार नि. थोबउ पु.स्टे. झाब जिला जालौर 2. ओप्रकाश लाधुराम विश्नोई निवासी रोहिला पुरब पु.स्टे. घोरीमना जिला बाडमेर। 3. प्रकाश हीराराम शियाक नि. गाम भेउडी. पु.स्टे. घोरीमना जिला जालौर। 4. बलबीर उर्फ बीराराम लोल नि. वियोका गोलिया गाम पु.स्टे.भीनमाल जिला जालौर। 5. अशोक विश्नोई। 6. अनिल विश्नोई सामिल है। जो अगल अलग जगह से रात्रि के समय फोरव्हील गाड़ी चोरी करने जाते थे तथा अपने पास की मास्टर की से इनोवा गाड़ी का दरवाजा खोल अपने पास के इ.सी.एम. मशीन को गाड़ी से कनेक्ट कर गाड़ी चालू कर गाड़ी चोरी कर वापस चले जाते थे। उपरोक्त आरोपियों राजस्थान दूर से स्थानों पर चोरी करने जाये थे जिससे पुलिस में उनकी पहचान नहीं हो पाती और अगर पहचान भी हो तो राज-स्थान दूर होने से कोई भी उन्हें ढूंढता आये ही नहीं। गाड़ी चोरी करने के बाद इँजन और चेसिस के नम्बर घिस देते थे जिससे यदि गाड़ी पकड़ी भी जाये तो भी पुलिस उसके मालिक के पास तक पहुंच ही न सके और चोरी का अपराध अनसुलझा ही रह जाये मजदूर आरोपी की गैंग अहमदाबाद वडोदरा सूरत भरुच मुंबई थाणे पुणे नासिक में चोरी करने जाते थे ऐसा उन्होंने बताया।

गोडादरा क्षेत्र में युवक की उसके घर के निकट हत्या कर आरोपी फरार

सूरत । शहर के गोडादरा क्षेत्र की कल्पना रो सोसायटी निवासी एक युवक की उसके घर के निकट सरेआम हत्या कर आरोपी फरार हो गए। घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के गोडादरा क्षेत्र की कल्पना रो हाउस सोसायटी निवासी छोटू पाटिल नामक युवक अपने घर के निकट चबूतरे पर बैठा था। उस वक्त बाइक पर आए अज्ञात शख्सों ने तीक्ष्ण हथियार से छोटू पाटिल पर हमला कर दिया। छोटू पाटिल ने हमलावरों से बचने का काफी प्रयास लेकिन सफल नहीं हुआ। गोडादरा क्षेत्र की कल्पना रो सोसायटी निवासी एक युवक की उसके घर के निकट सरेआम हत्या कर आरोपी फरार हो गए। घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। गले और सीने पर गंभीर चोट लगने से छोटू पाटिल घटनास्थल पर ही ढेर हो गया। दिन दहाड़े छोटू पाटिल की हत्या कर अज्ञात शख्स घटनास्थल से फरार हो गए। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सोसायटी में लगे सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)